ओंकारेश्वर में अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, 13 होटल और मकान जमींदोज

नवभारत न्यूज़

खंडवा। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सिंहस्थ 2028 की आधारभूत संरचना तैयार करने की दिशा में प्रशासन ने शनिवार को एक कड़ा कदम उठाया। कुबेर भंडारी पार्किंग मार्ग को अवरुद्ध करने वाले अतिक्रमणों पर प्रशासन का डंडा चला और देखते ही देखते 13 होटल व मकानों को मलबे में तब्दील कर दिया गया। यह कार्रवाई केवल अवैध निर्माणों को हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि आने वाले महाकुंभ के लिए सुगम मार्ग और भव्य पार्किंग सुविधा सुनिश्चित करने की एक बड़ी शुरुआत है।

दंडी आश्रम से कुबेर भंडारी तक खुला रास्ता– नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी के अनुसार, अतिक्रमण विरोधी यह अभियान मुख्य रूप से ओंकारेश्वर बांध रोड पर दंडी आश्रम से लेकर कुबेर भंडारी स्थित पार्किंग स्थल तक केंद्रित था। विभाग ने पहले ही 13 निर्माणों को चिन्हित कर नोटिस जारी किए थे। सड़क के मास्टर प्लान के अनुसार निर्माण कार्यों के लिए 18 मीटर चौड़ाई की आवश्यकता थी, लेकिन अतिक्रमण हटने के बाद अब प्रशासन के पास 40 से 50 मीटर तक की भूमि उपलब्ध हो गई है।

सिंहस्थ के लिए बड़ी राहत– प्रशासन का लक्ष्य ओंकारेश्वर को सिंहस्थ के लिए तैयार करना है, जहाँ लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे। इस मार्ग के चौड़ीकरण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि खाली हुई अतिरिक्त भूमि का उपयोग विशाल पार्किंग हब बनाने के लिए किया जाएगा। इससे मंदिर क्षेत्र में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

महिला अधिकारियों ने दिखाया दम, विरोध के बीच जारी रही कार्रवाई

इस बड़ी कार्रवाई की सबसे खास बात महिला अधिकारियों का नेतृत्व रहा। प्रशिक्षु आईएएस और सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान, डिप्टी कलेक्टर ममता चौहान और नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी ने मौके पर मोर्चा संभाला। जब स्थानीय रहवासियों और होटल संचालकों ने कार्रवाई का विरोध करना शुरू किया, तो इन महिला अफसरों ने संतुलन बनाए रखते हुए काम जारी रखा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में करीब चार जेसीबी और पोकलेन मशीनों ने घंटों तक चले अभियान में चिन्हित अतिक्रमणों को शत-प्रतिशत जमींदोज कर दिया।

पहले भी झेलना पड़ा था विरोध –

ओंकारेश्वर में अतिक्रमण हटाना और विकास परियोजनाएं हमेशा से विवादों के घेरे में रही हैं।

ममलेश्वर लोक का विरोध–

वर्ष 2025 के अंत में प्रस्तावित ममलेश्वर लोक निर्माण को लेकर स्थानीय साधु-संतों और नागरिकों ने उग्र विरोध किया था। फलस्वरूप एक दिन ओंकारेश्वर पूरी तरह से बंद रखा गया था, इससे आमजन को भरी परेशानी से दो चार होना पड़ा था। विधायक नारायण पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर योजना के स्थान परिवर्तन की मांग की थी, क्योंकि इसमें करीब 400 मकान और प्राचीन मठ प्रभावित हो रहे थे।

भाजपा नेताओं और प्रशासन में टकराव–

पूर्व में अतिक्रमण हटाने के दौरान तत्कालीन भाजपा नगर अध्यक्ष और एसडीएम के बीच तीखी नोकझोंक भी सुर्खियों में रही थी, जहाँ प्रशासन पर प्रताड़ना के आरोप लगे थे। स्थानीय लोगों का तर्क रहा है कि विकास के नाम पर उनका रोजगार छीना जा रहा है, जबकि प्रशासन का तर्क है कि सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 6 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए यह चौड़ीकरण अनिवार्य है।

विधायक तनवे ने किया मांगलिक भवन का भूमिपूजन

नवभारत न्यूज़

खंडवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सतवाड़ा में पाटीदार समाज द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्री रामनाम सप्ताह का शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ समापन हुआ। इस पावन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक कंचन मुकेश तनवे ने प्रात:काल आयोजित काकड़ा आरती में सम्मिलित होकर विधि-विधान से पूजन किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

आरती के पश्चात आयोजित भव्य चल समारोह में भी उन्होंने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे पूरा वातावरण राममय हो गया। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही विधायक ने पाटीदार समाज के प्रस्तावित मांगलिक भवन का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया और विकास कार्यों के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई। इस गरिमामय कार्यक्रम के दौरान भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री मुकेश तनवे सहित आशीष पाटीदार, श्याम पाटीदार, रविंद्र पाटीदार, विनोद पाटीदार, शिवराज पाटीदार और प्रदीप पाटीदार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अवसर पर विधायक ने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह नवनिर्मित भवन भविष्य में सामाजिक और मांगलिक आयोजनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। पाटीदार समाज के नागरिकों और ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया।

सोडल बाबा जन्मोत्सव में विधायक पटेल ने संयुक्त परिवार पर दिया जोर

नवभारत न्यूज़

खंडवा। ग्राम हरसवाड़ा स्थित सोडलधाम में सोडल बाबा का 55वां जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में वैदिक पद्धति से पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समापन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के समक्ष शीश झुकाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मांधाता विधायक नारायण पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में संयुक्त परिवार व्यवस्था समाज की ताकत है और इसी आधार पर गुर्जर समाज निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने सोडल बाबा की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा की आस्था से लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

इस दौरान उन्होंने विधायक निधि से सोडलधाम के विकास हेतु एक लाख रुपये देने की घोषणा भी की। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित जाधम गुर्जर समाज के चारों महल अध्यक्ष हरेसिंह मंडलोई ने सोडल बाबा के जन्म और उनसे जुड़ी पौराणिक मान्यताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सोडल बाबा का संबंध पंजाब के जालंधर से नाग देवता के रूप में माना जाता है और समाज की आस्था उनसे गहराई से जुड़ी हुई है। विस्थापन के बाद गुर्जर समाज द्वारा विभिन्न स्थानोंमाचलपुर में भिलट बाबा, मूंदी में गंगा माता मंदिर, किठूत राम मंदिर और हरसवाड़ा में सोडल बाबाकी स्थापना की गई, जिनकी कृपा से समाज उन्नति कर रहा है।

इस अवसर पर खंडवा के केबी मन्सारे, दीपक सामरे, नहारूजी पटेल, सरपंच आसाराम, डॉ मंसाराम राठौर, मोहनसिंह मंडलोई, दरियावजी मंडलोई, देवेंद्र सरपंच, गजरासिंह मंडलोई सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे। भंडारे में लगभग 10 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष चैन सिंह पटेल, जयराम गुर्जर, डॉ महेंद्र, गोपाल मंडलोई एवं समस्त ग्राम हरसवाड़ा के ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

सांसद पाटिल के गांव पहुंच राठौर समाज ने जताया शोक

नवभारत न्यूज़

खंडवा। गत दिवस लोकसभा क्षेत्र सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के भाई विश्वनाथ पाटिल के दु:खद निधन के बाद क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन की सूचना मिलते ही विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के लोग शोक संवेदना व्यक्त करने बुरहानपुर स्थित उनके निवास पहुं रहे है। इसी क्रम में राठौर समाज खंडवा के प्रतिनिधिमंडल ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजजनों ने उनके निवास पर पहुंचकर पुष्प अर्पित करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवारजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी और इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया।

इस अवसर पर समाज के प्रमुख सदस्यों में घनश्याम राठौर, कैलाश राठौर, सुभाष राठौर, सुरेश राठौर, दीपक राठौर, संदीप राठौर, दीपक मल्लू राठौर, अशोक राठौर, गोपाल राठौर, महेश राठौर (एडवोकेट), अमित राठौर (नवभारत सिटी चीफ) एवं विजय राठौर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बने छात्र

नवभारत न्यूज़

खंडवा 7 तपती धूप और बढ़ते तापमान के बीच जहाँ इंसान पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, वहीं बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए खंडवा के युवाओं ने एक संवेदनशील मिसाल पेश की है।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र जगदीश कास्डे और छात्रा गायत्री ने ग्राम रिचड़ीखेड़ा में पंछियों के लिए जल सेवा अभियान की शुरुआत की है। एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष के इन विद्यार्थियों ने न केवल पेड़ों पर मिट्टी के सकोरे बांधकर जल की व्यवस्था की, बल्कि ग्रामीणों को भी इस नेक कार्य से जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है। इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जगदीश पटेल ने कहा कि भीषण गर्मी में जलस्त्रोतों के सूखने से पक्षियों के लिए जीवन का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में इन छात्रों द्वारा किया गया कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे छतों और आसपास के पेड़ों पर पानी के बर्तन रखें, क्योंकि आपका एक छोटा सा प्रयास कई पक्षियों का जीवन बचा सकता है। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा है, बल्कि युवाओं को सामुदायिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक भी कर रहा है।

ओंकारेश्वर पॉवर स्टेशन का निरीक्षण कार्यप्रणाली की सराहना की

नवभारत न्यूज़

खंडवा। एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) सुप्रकाश अधिकारी ने ओंकारेश्वर पावर स्टेशन का दौरा कर यहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उनके साथ एनएचडीसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ओमप्रकाश भी मौजूद रहे।

आगमन पर परियोजना प्रमुख डीके द्विवेदी ने वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें पावर स्टेशन की उपलब्धियों एवं प्रगति से अवगत कराया। दौरे के दौरान अधिकारियों ने उत्पादन इकाइयों, नियंत्रण कक्ष एवं स्विचयार्ड का निरीक्षण कर बिजली उत्पादन की स्थिति, रखरखाव कार्यों और सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कार्यस्थल पर अनुशासन, सुरक्षा मानकों के पालन तथा मशीनों के सुचारू संचालन की सराहना की। निदेशक (तकनीकी) सुप्रकाश अधिकारी ने कार्मिकों को संबोधित करते हुए उत्पादन क्षमता में वृद्धि, उपकरणों के बेहतर रखरखाव तथा नवाचार अपनाने पर बल दिया। इसके पश्चात अधिकारियों ने 88 मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का भी भ्रमण किया और इसे स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल बताया। दौरे के अंत में अधिकारियों ने पावर स्टेशन टीम के समर्पण एवं कार्यकुशलता की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में खंडवा प्रथम स्थान पर

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान आज एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। इस महा-अभियान के अंतर्गत जिले ने अपनी कार्यकुशलता, प्रशासनिक सक्रियता और जन-भागीदारी के समन्वय से पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है।

प्रदेश स्तरीय ताजा रैंकिंग के अनुसार, खंडवा जिला जल संरक्षण के कार्यों में सबसे अग्रणी है, जिसके बाद खरगोन दूसरे, डिंडोरी तीसरे, राजगढ़ चौथे और बालाघाट पांचवें स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित इस अभियान के तहत प्रदेश भर में लगभग 6229 करोड़ रुपये की विशाल लागत से 2 लाख 43 हजार से अधिक जल संवर्धन कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। खंडवा जिले में विशेष रूप से खेत तालाबों के निर्माण, अमृत सरोवरों के पुनरुद्धार, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना और वर्षों से सूखे पड़े कुओं को नया जीवन देने की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किया गया है।

इस वर्ष के अभियान की सबसे महत्वपूर्ण और विशेष बात यह रही कि इसमें केवल नए कार्यों की घोषणा नहीं की गई, बल्कि पूर्व में प्रारंभ किए गए कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में समाप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। इसी रणनीति का परिणाम है कि 19 मार्च से शुरू हुए अभियान के तीसरे चरण में अब तक प्रदेश में कुल 1 लाख 64 हजार से अधिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जिसमें खंडवा जिले की प्रगति दर सबसे अधिक रही है।

जिले में सूखे कुओं के पुनर्भरण और पुराने तालाबों की गाद निकालने जैसे कार्यों से न केवल कृषि क्षेत्र को संबल मिला है, बल्कि भू-जल स्तर में भी सुधार की नई उम्मीद जगी है।

समाजसेवी अरुण कुमार त्रिवेदी का निधन

ओंकारेश्वर। जनसंघ काल से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता, नगर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं ओंकारेश्वर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष रहे समाजसेवी अरुण कुमार त्रिवेदी का सोमवार हृदयाघात से निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। अरुण

कुमार त्रिवेदी लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे और उन्होंने ओंकारेश्वर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे अपनी सादगी, मिलनसार स्वभाव और जनसेवा के लिए पहचाने जाते थे। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के लोगों ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बुद्ध पूर्णिमा पर विचार गोष्ठी आयोजित

नवभारत न्यूज़

खंडवा। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सदभावना मंच कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बुद्ध के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

मंच के संस्थापक प्रमोद जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश शांति, करुणा, अहिंसा और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध का संदेश स्वयं दीप बनो आज भी समाज को सकारात्मक दिशा देता है और नफरत के स्थान पर प्रेम एवं सद्भावना को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर पूर्व डीएसपी आनंदपाल तोमर, केबी मनसारे एवं अनुप शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बुद्ध के सिद्धांत सामाजिक समरसता और मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में डॉ जगदीशचंद्र चौरे, सुरेन्द्र गीते, गणेश भावसार, राधेश्याम शाक्य, त्रिलोक चौधरी, पं. प्रशांत व्यास, अर्जुन बुंदेला, राहुल वाध, निर्मल मंगवानी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने भगवान बुद्ध को नमन कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रेडक्रॉस सप्ताह के तहत होंगे स्वास्थ्य शिविर और सेवा कार्य

नवभारत न्यूज़

खंडवा। रेडक्रॉस सोसाइटी की बैठक कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें 2 से 8 मई तक रेडक्रॉस सप्ताह का भव्य आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया।

इसी कड़ी में 3 मई को नगर पालिक निगम परिसर में स्वच्छता दूतों के लिए तथा वृद्धाश्रम एवं नेत्रहीन संघ में प्रात: 8 से 11 बजे के बीच नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। अगले दिन 4 मई को कलेक्टर सभागृह में जूनियर और युवक रेडक्रॉस के प्राचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक होगी, जिसके पश्चात सायं 7 बजे नीलकंठेश्वर महाविद्यालय में सेवा कार्यों में वालंटियर्स की भूमिका पर एक विशेष सेमिनार संपन्न होगा। सप्ताह के अगले चरणों में 5 मई को क्षय रोग विभाग में निक्षय मित्र कार्यक्रम तथा 6 मई को दादाजी बस्ती में महिलाओं एवं युवतियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण गतिविधियों के अंतर्गत 7 मई को पुलिस लाइन ग्राउंड और कर्मवीर विद्यापीठ में दो सत्रों में सीपीआर, प्राथमिक चिकित्सा एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस सेवा सप्ताह का विधिवत समापन 8 मई को 7 बजे केशव हरि सभागार में सम्मान समारोह के साथ होगा।

एक नजर गेहूं उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाएं ठप

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की समाधान की मांग

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में वर्तमान में चल रहे गेहूं उपार्जन के दौरान किसानों को हो रही असुविधाओं को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह पुरनी ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता को एक औपचारिक पत्र प्रेषित किया है।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, उत्तमपाल सिंह ने जिले के उपार्जन केंद्रों की बदहाल व्यवस्था पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया है कि छोटे इलेक्ट्रॉनिक कांटों से तुलाई होने के कारण प्रक्रिया अत्यंत धीमी गति से चल रही है।

इसके साथ ही केंद्रों पर पर्याप्त मजदूरों और हम्मालों का अभाव है, जिसके चलते अन्नदाताओं को इस भीषण गर्मी में घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है और कई बार तो बिना तुलाई कराए ही निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। किसानों की इन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिला अध्यक्ष ने अपने पत्र में एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है कि खंडवा जिले में भी पड़ोसी खरगोन जिले की कार्यप्रणाली को अपनाया जाए।

उन्होंने मांग की है कि वेयरहाउसों और अन्य चिन्हित स्थानों पर उपलब्ध वे-ब्रिज यानी धर्मकांटे के माध्यम से सीधे ट्रैक्टर-ट्रॉली की तुलाई सुनिश्चित की जाए, जिससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी आएगी।

उत्तमपाल सिंह ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि किसानों की मेहनत की उपज को सुगमता से खरीदने के लिए इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, ताकि भीषण तपन के बीच किसानों को मिल रही प्रताड़ना से राहत मिल सके।